http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 117

प्रयागराज रविवार 12 जनवरी 2025

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

5 फरवरी दिल्ली का आपदा से मुक्ति दिवस है

'झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन' में बोले अमित शाह

नई दिल्ली,(एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली के जेएलएन स्टेडियम में झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन को संबोधित किया। गृह मंत्री ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गी–झोपड़ियों में गरीबों की पीड़ा के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र पत्थर का लकीर होता है। ये मोदी की गारंटी होती है, जिसको जमीन पर उतरना ही है। भाजपा का घोषणा पत्र आप–दा के घोषणा पत्र जैसा नहीं होता। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि आप–दा का घोषणा पत्र सिर्फ झूठ होता है और हम जो कहते हैं वो करते हैं और हम वही कहते हैं जो कर सकते हैं। मैं आज यहां आपको ये कहने के लिए आया हूं कि आप दिल्ली के मुक्तिदाता बन सकते हैं। आप दिल्ली को कई सारी आपदाओं से मुक्त करा सकते हैं और मेरी बात गांठ बांध कर जाना– 5 फरवरी.. दिल्ली का आप–दा से मुक्ति का

दिन है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने झुग्गीवासियों के दर्द, असुविधा और वादे तोड़ने के खिलाफ गुस्से को सुना है। उन्होंने आपकी सभी समस्याओं की एक सूची बनाकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री मोदी को दी है। हमारा घोषणा पत्र आपको आपकी सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाएगा। बीजेपी का घोषणापत्र प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन किया, अन्ना हजारे जैसे संत पुरुष को आगे करके सत्ता पर काबिज हुए और इन्होंने इतना भ्रष्टाचार किया कि देश में भ्रष्टाचार की रिकॉर्ड को तोड़ दिया। मैं आज कह रहा हूं आप पार्टी वालों– दिल्ली के आप आप–दा बने हो, दिल्ली की जनता के लिए आप–दा बने हो... यही नहीं, केजरीवाल आप पार्टी के लिए भी आप–दा बन गए हैं। क्योंकि जहां–जहां केजरीवाल जाते हैं, जहां–जहां सिसोदिया जाते हैं... दिल्ली वालों को शराब की बोतल दिखाई देती है। शाह ने कहा कि ये आप–दा 10 साल से दिल्ली के लिए डिजास्टर का काम कर रही है। पूरा देश कहां से कहां से पहुंच गया और दिल्ली और गर्त में चली गई। नल खोलो तो गंदा पानी, खिड़की खोलो तो बदबू, बाहर निकलो तो टूटी सड़क और छठ मनाओ तो स्नान न कर पाए.. ऐसी यमुना, और सड़कों पर गंदगी का ढेर... दिल्ली को नर्क बनाने का काम ये आप–दा ने किया है। रोहिणी विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि जिनके अपने घर शीशे के हों, उन्हें दूसरों को पत्थर नहीं मारने चाहिए। संजय सिंह पहले ये बताएं कि अरविंद केजरीवाल किसके घर में रह रहे हैं। आप खुद एक भ्रष्टाचार का पिटारा है। भ्रष्टाचार की जननी के रूप में आप इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल को तुरंत राजनीति से बाहर कर देना चाहिए।

सीएम योगी ने रामलला के चरणों में झुकाया शीश, बोले-

राम हैं तो राष्ट्र है

● राम मंदिर की पहली वर्षगांठ

अयोध्या, संवाददाता। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ श्री राम जन्मभूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ श्प्रतिष्ठा द्वादशीश के अवसर पर श्री राम मंदिर में पूजा की। इसके बाद योगी ने अपने संबोधन में कहा कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि आज से एक साल पहले 500 साल का इंतजार खत्म कर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि हर दिन औसतन 1.5 से 2 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। 2014 से पहले अयोध्या में बिजली नहीं थी। योगी ने कहा कि अयोध्या में साफ–सफाई नहीं थी। अयोध्या में कोई एयरपोर्ट नहीं था। लेकिन आज अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। अयोध्या में फोर–लेन और सिक्स–लेन सड़कें बनाई गई हैं। सरयू नदी के घाट देश भर से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम जाति, क्षेत्र, भाषा के आधार पर बंटे रहे तो सबसे पहले इसका खामियाजा धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा। हम सभी को एकजुट रहना चाहिए। एक साल पहले पीएम मोदी ने भी कहा था कि भगवान राम राष्ट्र के प्रतीक हैं. 'राम हैं तो राष्ट्र हैं, राष्ट्र हैं तो राम हैं।' राम मंदिर ट्रस्ट मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए अयोध्या में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करेगा। ये समारोह 11 से 13 जनवरी तक निर्धारित हैं। आम लोगों के साथ–साथ लगभग 110 वीआईपी, जो पिछले साल ऐतिहासिक समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे, उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में 'भारत की लोक रानी' मालिनी अवस्थी जैसे प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा; पार्श्व गायिका और राजनीतिज्ञ अनुराधा पौडवाल और कवि कुमार विश्वास सहित अन्य। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, तीन दिवसीय उत्सव के दौरान कई धार्मिक अनुष्ठानों के साथ राम कथा और राम लीला प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

कन्नौज स्टेशन पर बड़ा हादसा, निर्माणाधीन लिंटर गिरा, कई लोगों के दबे होने की आशंका

कन्नौज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के कन्नौज रेलवे स्टेशन पर एक निर्माणाधीन इमारत शुक्रवार को ढह गई, जिसके मलबे में दर्जनों मजदूर दब गए। यह घटना तब हुई जब स्टेशन पर सौंदर्यीकरण परियोजना के तहत दो मंजिला इमारत पर काम चल रहा था। हादसे के वक्त मौके पर करीब 35 कर्मचारी मौजूद थे। रेलवे, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों

के नेतृत्व में बचाव अभियान ने अब तक 23 श्रमिकों को मलबे से बचाया है। रेलवे बोर्ड के सदस्य सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि रेलवे की अमृत भारत योजना के तहत आज तीन स्टेशनों का चयन किया गया, जिसमें कन्नौज भी शामिल है। यहां एक निर्माणाधीन लिंटर गिर गया है। प्रशासन तुरंत हरकत में आया और सभी इलाकों के अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने भी बचाव कार्य किया। आगे की जांच चल रही है। जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब निर्माणाधीन छत की शटरिंग गिर गई।

श्रीराम जन्मोत्सव, श्रीराम विवाह महोत्सव, भरत मिलाप, राज्याभिषेक- जगतगुरू स्वामी डॉ. रामकमलदास वेदान्ती जी महाराज

भक्ति वेदान्त शिविर में श्रीराम कथा आज से।

महाकुंभ नगर। जगतगुरू स्वामी डॉ. रामकमलदास वेदान्ती जी महाराज ने शनिवार को लोबर संगम मार्ग स्थित भक्ति वेदान्त शिविर पत्रकार वार्ता में बताया कि महाकुम्भ में बत्तीस दिवसीय श्रीराम कथा का भव्य शुभारम्भ बारह जनवरी से शिविर में होगा। कथा बालकाण्ड, मंगलाचरण से शुरू होकर उत्तरकाण्ड समापन तक चलेगी। कथा के मध्य में श्रीराम जन्मोत्सव, श्रीराम विवाह महोत्सव, भरत मिलाप, राज्याभिषेक की दिव्य झांकियां व महोत्सयों का भी समायोजन होगा। कथा के मध्य–मध्य विशिष्ट जगद्घ्गुरुओं, महापुरुषों व विशिष्ट अतिथियों का भी दर्शनलाभ प्राप्त होगा। भक्ति वेदान्त नगर काशी में प्रतिदिन बालभोग, भण्डारा का समायोजन रहेगा। कथा के अतिरिक्त महाकवि सम्मेलन, सुप्रसिद्ध गायकों द्वारा भजन संध्या, उभरत्ती प्रतिभाओं द्वारा नाट्यमंचन व विशिष्ट प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित भी किया जाएगा। विक्लांगों के लिए उपयोगी उपकरण भी प्रदान किए जायेंगे। आदिवासी व पिछड़े वर्ग के बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ शिविर में आमंत्रित किया जाएगा। रात्रिकालीन सत्र में प्रतिदिन रासलीला का मंचन भी बरसाने के सुप्रसिद्ध मण्डली द्वारा किया जायेगा। शिविर में संपूर्ण माघ मास में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ लोक कल्याण की दृष्टि से किया जायेगा। भक्ति बेदान्त नगर खालसे का शुभारंभ ग्यारह जनवरी प्रातः नौ बजे समस्त अखाड़ों के सानिध्य में भव्य ध्वजारोहण से होगा। छब्बीस जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के शहीदों के परिवारों को भी सम्मानित किया जायेगा। शिविर में प्रकृतिबंदन, शिक्षाविध विदुषियों का भी सम्मेलन कराया जायेगा।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने प्रधानमंत्री से असम की खनन त्रासदी की एसआईटी जांच कराने की अपील की

गुवाहाटी, एजेंसी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर असम में हुई खनन त्रासदी की एसआईटी से जांच की मांग की है। असम में इस त्रासदी में एक कोयला खदान में चार मजदूरों की मौत हो गई थी। गोगोई ने यह भी आरोप लगाया कि इस पूर्वोत्तर राज्य में 'कानून को कड़ाई से नहीं लागू करने और स्थानीय मिलीभगत' के कारण 'अवैध

खनन बेरोकटोक जारी है।' दीमा हसाओ जिले के उमरांगसू में सोमवार को एक कोयला खदान में अचानक पानी भर जाने से नौ मजदूर फंस गए और अब तक चार मजदूरों के शव बरामद किए गये हैं। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई ने कहा, ''आज बचाव अभियान का छठा दिन है लेकिन दीमा हसाओ में अवैध कोयला खदान में फंसे कोयला खनिकों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। असम में अवैध खनन पर लगाम नहीं लग पा रही है, क्योंकि कानून के कड़ाई से लागू नहीं किये जाने तथा स्थानीय मिलीभगत के कारण इसे बढ़ावा मिल रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस त्रासदी की तत्काल एसआईटी जांच कराने की अपील की है।

कलाग्राम में प्रदर्शित होगी गंगा अवतरण व कुम्भ की कहानी– अमिता प्रसाद

केंद्रीय गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को कलाग्राम का उद्घाटन करेंगे।

महाकुम्भनगर। ''भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने के लिए भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रयागराज में महाकुंभ 2025 में संगम की रेती पर विशेष सांस्कृतिक गांव श्कलाग्रामश की स्थापना की गई है। 12 ज्योतिर्लिगों के आकार में तैयार अनोखे कलाग्राम का उद्देश्य भारतीय लोक कला, संस्कृति और परंपराओं को जीवंत मंच प्रदान करना है।'' उक्त बातें अमिता प्रसाद सारभाई, संयुक्त सचिव संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रयागराज स्थित एनसीजेडसीसी के महात्मा गांधी कला विधिका में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। संयुक्त सचिव ने बताया कि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को शाम 04.15 बजे महाकुंभ मेला क्षेत्र में कलाग्राम का उद्घाटन व प्रेसवार्ता करेगें. श्रीमती सारभाई ने कहा कि कलाग्राम, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित, नागावासुकी क्षेत्र में भारद्वाज रोड पर 10 एकड़ से अधिक में विस्तृत एक सांस्कृतिक स्थल है, जिसे शिल्प, व्यंजन एवं संस्कृति सहित देश की मूर्त एवं अमूर्त धरोहर के माध्यम से भारत की समृद्ध विरासत को संवर्धित करने, संरक्षित करने एवं प्रदर्शित करने के लिए निर्मित किया गया है। कलाग्राम महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र बनेगा। इसमें विभिन्न राज्यों की लोक कलाएं, हस्तशिल्प, संगीत, नृत्य और प्रदर्शनियां प्रस्तुत की जाएंगी। कलाग्राम में देश भर के कोने–कोने से आए कलाकारों, शिल्पकारों एवं कलाविदों को उनकी असाधारण प्रतिभा एवं चिरकालिक परम्पराओं को प्रदर्शित करने के लिए एक ही छत के नीचे लाने का प्रयास किया गया है, जहां प्रदर्शन, दृश्य एवं साहित्यिक कलाओं के लिए एक ही स्थान पर मंच प्रदान किया गया है। महाकुम्भ के 45 दिनों में, कलाग्राम, गंगावतरण एवं समुद्र मंथन की कथा का वर्णन करने वाले अनुभव क्षेत्रों, महाकुम्भ के विभिन्न पहलुओं को समाहित करने वाले प्रदर्शनी क्षेत्रों, कारीगरों के कौशल, शास्त्रीय एवं लोक कलाकारों के मंत्रमुग्धकारी प्रदर्शन, सात्विक व्यंजनों की सुगन्धा, एवं यहाँ तक कि विशेष खगोल रात्रि के माध्यम से रात्रि के आकाश का अवलोकन करने के अवसर के माध्यम से एक गहन सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करेगा। यहां बच्चों, युवाओं के लिए सेल्फी पांइट भी बनाया गया है। 635 फीट चौड़े एवं 54 फीट ऊँचे मुख्य प्रवेश द्वार से विस्मित होने के लिए तैयार रहें, जो शिल्प कौशल

का एक अद्भुत निर्माण है। 12 ज्योतिर्लिगों के आकार में तैयार अनोखे कलाग्राम का उद्देश्य भारतीय लोक कला, संस्कृति और परंपराओं को जीवंत मंच प्रदान करना है। कलाग्राम मंच, चार धाम को अपनी पृष्ठभूमि के रूप में जीवन्त करता है। इसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकारों द्वारा निर्मित दो विशाल पट्टचित्र माँ दुर्गा एवं गणपति की कथा का वर्णन किया गया है। वही सात क्षेत्रों में हस्तशिल्प की प्रदर्शनी और ब्रिक्री हेतु आकर्षक थीम पर आंगन बनाया गया है, जिसमें उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (छब्ब) विषयः दक्षेश्वर महादेव मंदिर, हरिद्वार, कला एवं शिल्पः नक्काशीदार लकड़ी की मूर्तियाँ, पीतल के शिव लिंगम, हाथ से बुने हुए ऊनी शॉल, रुद्राक्ष मालाएँ आदि। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र ॅ(बब)विषयः ब्रह्मा मंदिर, पुष्कर कला एवं शिल्पः मिट्टी के बर्तन, पारंपरिक राजस्थानी कठपुतलियाँ, टाई–डाई कपड़े, लघु चित्रकलाएँ आदि। 'पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (म्ब्ब) विषयः दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कोलकाता' ' कला एवं शिल्पः टेराकोटा मूर्तियाँ, बंगाल की कांथा– साड़ियाँ, जूट हस्तशिल्प, पट्टचित्र चित्रकला आदि। दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र ॅ(बब)विषयः आदि कुंभेश्वर मंदिर, कुंभकोणम☐ कला एवं शिल्पः पीतल के दीपक, पारंपरिक तंजौर चित्रकलाएँ, रेशम वस्त्र, हस्तनिर्मित मंदिर आभूषण आदि। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (छर्बब) विषयः कालभैरव मंदिर, उज्जैन ☐ कला एवं शिल्पः हाथ से चित्रित मध्य प्रदेश की जनजातीय कला, पत्थर की नक्काशी, मनका आभूषण, हस्तनिर्मित चंदेरी साड़ियाँ आदि। उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (छर्म्ब) विषयः कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी कला एवं शिल्पः बांस और बेंत के शिल्प, असमिया रेशम साड़ियाँ, हाथ से बने मुखौटे, जनजातीय आभूषण आदि। 'दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (ब्रबब)' श्री गंगा गोदावरी मंदिर, नाशिक☐ कला एवं शिल्पः पैठणी साड़ियाँ, वरली चित्रकला, हाथ से नक्काशीदार लकड़ी की कलाकृतियाँ, मिट्टी के बर्तन आदि । इसके अलावा सभी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के प्रामाणिक व्यंजन व प्रयागराज के स्थानीय व्यंजन आकर्षण का केंद्र होगें। 'सांस्कृतिक महाकुंभ में दिखेगा विविधता में एकता का रंग–' आस्था की धरती पर सांस्कृतिक महाकुंभ का शुभारंभ 12 जनवरी से होगा। कलाग्राम में समूचे भारत की कला और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी, इसके लिए कलाग्राम, गंगा पण्डाल, झूसी, नागावासुकी एवं अरेल में विभिन्न मंचों पर 45 दिनों के लिए 14,632 कलाकार, संगीत नाटक अकादमी, क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों एवं सीसीआरटी द्वारा आयोजित प्रस्तुतियों में, प्रत्येक दिन पद्म एवं एसएनए पुरस्कार विजेता दिग्गजों से लेकर उदीयमान युवा प्रतिभाओं, लोक नर्तकों की रंगारंग मण्डली, भावपूर्ण शास्त्रीय शैली एवं मनोरंजक सेलिब्रिटी प्रदर्शन, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा मंचित नाट्य प्रदर्शन दर्शकों को मुग्ध करेंगे। कलाग्राम में कार्यक्रम पूर्वाहन 11रू00 बजे से सायं 7रू30 बजे तक तथा अन्य पण्डालों में सायं 4रू00 बजे से टात्रि 8रू00 बजे तक होगा। शिल्पकारों और व्यंजनकारों का होगा संगम– सांस्कृतिक महाकुंभ के तहत स्थानीय उत्पादों को बढावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों से आए 84 शिल्पकार एवं 14 व्यंजनकार अपने–अपने स्टाल लगाएंगें। वही एनसीजेडसीसी, प्रयागराज से 14 शिल्पकार एवं 7 व्यंजनकार अपने स्टाल लगाएंगे। गंगा पंडाल में होगें स्टार कलाकार– त्रिवेणी मार्ग पर बने गंगा पंडाल में 31 स्टार कलाकारों का जमावड़ा होगा जो अपने प्रस्तुतियों से दर्शकों को आनंदित करेंगे। मुंबई, मणिपुर, दिल्ली, भुनेश्वर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पं बंगाल, हैदराबाद, कोलाकाता आदि विभिन्न राज्यों से कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देगें।

सम्पादकीय

दिल्ली चुनाव इंडिया के लिये महत्वपूर्ण

देश की राजधानी में यह विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। पिछले दोनों या यूं कहें कि तीनों चुनावों में जिस तरह से आप ने सफलताएं अर्जित की थीं और उसकी ताकत में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई, उसके चलते कई संकटों के बावजूद आप मजबूती से चुनाव की धुरी बनी हुई है। वह भाजपा के साथ कांग्रेस को भी एक समान चुनौतियां पेश कर रही है। भाजपा के पास खोने को यहां बहुत कुछ नहीं है लेकिन असली दुविधा कांग्रेस के सामने है जिसे यहां अपना खाता तो खोलना ही है, भविष्य में इंडिया के इस महत्वपूर्ण घटक के साथ सम्बन्धों को बनाये रखने की भी चुनौती है जिसका वह नेतृत्व करती है। लोकसभा चुनाव चाहे खत्म हो गया हो परन्तु एक शक्तिशाली प्रतिपक्षी गठबन्धन जो ठोस स्वरूप ले चुका है वह कैसे बरकरार रहे– यह चिंता भी कांग्रेस को करनी है। जन लोकपाल आंदोलन की कोख से जन्मी आप ने अपने पहले ही चुनाव में बड़ी कामयाबी हासिल की थी। उसे 28 सीटें मिली थीं तथा कांग्रेस के सहयोग से अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री तो बने थे परन्तु पर्याप्त बहुमत के अभाव में वे लोकपाल बिल पास नहीं करा पाये थे जिसका उन्होंने वादा किया था। 49 दिन की सरकार चलाने के बाद केजरीवाल ने फरवरी 2014 में इस्तीफा दे दिया था। उसके अगले साल हुए चुनाव में पार्टी को 70 में 67 सीटें मिली थीं। 2020 में भी उसे जबर्दस्त कामयाबी मिली थी, बावजूद इसके कि इस बार उसकी विधायक संख्या 62 रही। यह अवधि उसके लिये बड़े संकटों की रही क्योंकि इसी दौरान भाजपा के श्ऑपरेशन लोटसश के रडार पर वह सतत रही। कथित शराब घोटाले के आरोप में उसके एक मंत्री सत्येन्द्र जैन, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और खुद केजरीवाल गिरफ्तार होकर लम्बे समय तक जेलों में रहे। दिल्ली के उप राज्यपाल ने राज्य के काम–काज में केन्द्र सरकार के इशारे पर कदम–कदम पर अवरोध पैदा किये। उसकी शक्ति घटा दी गयी। सीमित शक्तियों व संसाधनों के बावजूद आप ने जो काम किये उसके चलते निम्न वर्ग अब भी उसका वोट बैंक बना हुआ है जिसके बल पर आप अगली बार फिर से सरकार बनाने का भरोसा रखती है। आप के जो भी नेता जेलों में थे, वे बेशक जमानत पाकर बाहर आ गये हों परन्तु भाजपा ने चुनाव प्रचार के लिये भ्रष्टाचार को अपना प्रमुख हथियार बनाया हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए पार्टी का नाम तोड़–मरोड़कर श्आप–दाश कहने का जुमला गढ़ा और पार्टी को बेहद भ्रष्टाचारी दल बताया। हालांकि उन्हें पता है कि भाजपा जिस दल का मुकाबला कर रही है उसका मुख्य मुद्दा विकास है, जिसमें शिक्षा, पानी, बिजली, सड़क आदि की प्रमुखता है। इसलिये मोदी यह भी कह रहे हैं कि भाजपा की सरकार बनी तो दिल्ली विश्वस्तरीय राजधानी बनेगी। दूसरी ओर आप ने विकास को मुद्दा बनाये रखा है। पिछले और इस चुनाव के बीच अनेक घटनाक्रम हुए हैं, जिनका सम्बन्ध आप से है। पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तारित करने के उद्देश्य से आप ने दशक भर में अनेक राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपने प्रत्याशी खड़े किये जिसके कारण भाजपा को कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को हराने में मदद मिली। इसलिये उस पर श्भाजपा की बी–टीमश होने का ठप्पा लगा। उसने इस ठप्पे को मिटाने की कोशिश तो नहीं की लेकिन जब भाजपा ने उनके नेताओं को जेल भेजना शुरू किया तो वह दबाव में आई और लोकसभा चुनाव के पहले वह इंडिया गठबन्धन का एक घटक बन गया, बावजूद इसके कि वह राज्यों में कांग्रेस से अलग होकर ही लड़ता रहा। पंजाब में उसे सफलता भी मिली। वह विपक्षी दलों में कांग्रेस के अलावा अकेली ऐसी पार्टी है जिसकी दो राज्यों में सरकारें हैं। कई राज्यों में कम या ज्यादा संख्या में उसके सदस्य विधानसभाओं में निर्वाचित होकर बैठे हैं। फिर, इस चुनाव में भी उसकी स्थिति इसलिये मजबूत मानी जा रही है क्योंकि पिछले दो चुनावों में मिली बड़ी जीतों का फायदा संभवतरू उसे मिले, लेकिन एंटी इनकम्बेंसी को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस या भाजपा को पहले आप की विधायक संख्या के बड़े अंतर को पाटना होगा। लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सातों सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा दिल्ली की सरकार आप के हाथों से छीन सकती है क्या, ये सवाल इस समय तेज हो रहा है। वहीं जिस तरह शीशमहल बनाम राजमहल की लड़ाई में आप और भाजपा उलझ रहे हैं, क्या उसमें कांग्रेस को फायदा हो जाएगा, इस पर भी सबकी निगाहें हैं। यदि यह मानकर चलें कि आप कम या ज्यादा सीटों के साथ सत्ता में लौटती है,, तो इसका असर कांग्रेस के साथ उसके सम्बन्धों पर पड़ेगा। केजरीवाल इसके बाद गठबन्धन की उतनी चिंता नहीं करेंगे जैसा कि वे उन पर आये संकटों के दौरान किया करते थे। उनकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा फिर से उड़ान भरेगी और वे इस फार्मूले पर काम करते हुए अलग–अलग राज्यों में फिर से अपने प्रत्याशी यह कहकर खड़े करते रहेंगे कि श्गठबन्धन लोकसभा चुनाव के लिये है, न कि विधानसभा चुनावों के लिये।श इस तरह से वे गैर–भाजपायी वोटों को पहले जैसे काटने में लग जायेंगे जिसके चलते आप को भाजपा का छुपा सहयोगी कहा जाता है।

प्रवासी दिवस : विकसित भारत की यात्रा में एनआरआई, दुनिया में बने भारत के ब्रांड एंबेसडर

❍ प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय प्रवासियों की भागीदारी को बढ़ाया है औरघ्उनके बीच गौरव की भावना को भी विकसित किया है।

डॉ. भरत बरई

सितंबर 2014 मेंघ्मैडिसन स्क्वायर में 'भारत माता की जय' के नारे गूंजे। न्यूयॉर्क शहर में हजारों लोगों द्वारा इस नारे को बुलंद करना एक अभूतपूर्व क्षण था। इसनेघ्प्रवासी समुदाय से भारत के जुड़ाव में नए युग का सूत्रपात किया। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया ने विभिन्न देशों में भारतीय प्रवासियों की शानदार सभाओं को देखा। वहघ्शायद पहले वैश्विक नेता हैं, जिन्होंने अपने देश के प्रवासियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर इतनाघ्महत्व दिया है। अमेरिका में 'हाउडी मोदी' से लेकर कुवैत में हाल ही में हुए 'हाला मोदी' जैसे कार्यक्रमों ने, भारतीय प्रवासियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घकालिक व्यक्तिगत जुड़ाव के कारण वैश्विक स्तर पर प्रमुखता हासिल की। ओडिशा इस साल प्रवासी भारतीय दिवस की मेजबानी कर रहा है। बीते कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल इस आयोजन में भारतीय प्रवासियों की भागीदारी को बढ़ाया है, बल्कि लाखों एनआरआई के बीच उनके गौरव और उद्देश्य की भावना को भी बढ़ाया है। प्रशासनिक भूमिकाओं में मोदी का प्रवेश गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में हुआ, लेकिन प्रवासी समुदाय व दुनिया के साथ उनका संबंध युवा प्रचारक के रूप में उनके शुरुआती वर्षों से है। उन्होंने 1980 के दशक की शुरुआत में भारत से बाहर यात्रा की। आरएसएस में उनके पूर्व सहयोगी याद करते हैं कि मोदी नियमित रूप से अन्य देशों के मित्रों से मिलते थे। जापान के नागोया से एक दोस्त ने उन्हें नाइकी के जूते भेजे थे, जबकि उन्होंने बदले में श्रीमद्भागवत गीता की प्रतियां भेजीं।घ्वह गुजरात में विश्व संघ शिविर जैसे प्रवासी कार्यक्रमों के प्रमुख आयोजक भी थे।

स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक शिकागो संबोधन के 100वें वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए मोदीघ्1993 में अमेरिका गए, जहां उन्होंने 'ग्लोबल विजन 2000' सम्मेलन में भाषण दिया। कई भारतीय परिवार 1997 में मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान उन्हें दी गई मेजबानी को याद करते हैं। नरेंद्र मोदी का प्रवासी समुदाय से संबंध अमेरिका और यूरोप से कहीं आगे तक फैला हुआ है। वर्ष 2000 में विश्व हिंदू सम्मेलन के लिए त्रिनिदादघ्व टोबैगो की यात्रा के दौरान मोदी गुयाना भी गए।घ्मिनी इंडिया' कहे जाने वाले मॉरीशस ने 1998 में रामायण सम्मेलन की मेजबानी की, जहां मोदी ने भगवान राम और मॉरीशस के साथ भारत के संबंधों पर भाषण दिया। उन्होंने उन्हें कम से कम पांच दोस्तों को भारत आने और देश के पर्यटन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस सिलसिले में वह अक्सर 'चलो इंडिया' नारे का इस्तेमाल करते थे।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने गुजरात को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव व प्रवासी संबंधों का लाभ उठाया। उन्होंने जापान, चीन, रूस, यूरोपीय देशों और अमेरिका जैसे कई देशों के साथ संबंध विकसित किए। 2001 के भूकंप के बाद जापान के ह्योगो प्रांत ने गुजरात के पुनर्निर्माण में अहम भूमिका निभाई। मोदी के नेतृत्व में, गुजरात ने लंदन, ज्यूरिख, जिनेवा और अन्य वैश्विक शहरों में वाइब्रेंट गुजरात रोड शो की मेजबानी की, जिससे वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलनों के लिए भागीदारी और निवेश आकर्षित हुआ। जब गांधीनगर में महात्मा मंदिर का निर्माण किया जा रहा था, तब उन्होंने दुनिया भर के गुजराती प्रवासियों से अपने क्षेत्रों से मिट्टी भेजने की अपील की और इस उद्देश्य के लिए कई देशों में कलश भेजे।

अपने अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव और वैश्विक प्रवासी संबंधों के माध्यम से नरेंद्र मोदी ने स्थायी संबंध बनाए, जिससे गुजरात को आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक रूप से आगे बढ़ने में मदद मिली। बाद में, भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने प्रवासी समुदाय की क्षमता का और भी अधिक उपयोग किया। प्रधानमंत्री के रूप में प्रवासी भारतीयों से उनका संपर्क अमेरिका के ऐतिहासिक मैडिसन स्क्वायर गार्डन कार्यक्रम से शुरू हुआ और ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' तथा 2024 में न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में 'मोदी एंड यूएस' जैसे कार्यक्रमों के साथ जारी रहा। लंदन में वेंबली स्टेडियम की सभा, यूएई में अहलान मोदी, तेल अवीव में हुए कार्यक्रम जैसे कई अन्य ऐतिहासिक आयोजन हुए। हजारों लोगों की उपस्थिति में सिडनी में हुए ऐतिहासिक प्रवासी कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने प्रधानमंत्री को 'मोदी बॉस हैं' की संज्ञा दी।

भारत ने ऑपरेशन गंगा, ऑपरेशन संकट मोचन, ऑपरेशन राहत और वंदे भारत मिशन जैसे कई बचाव अभियानों के माध्यम से प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। इन प्रयासों ने वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव को भी उजागर किया। प्रधानमंत्री मोदी एनआरआई को 'भारत का ब्रांड एंबेसडर' कहते हैं औरघ्विकसित भारत की यात्रा में उनकी भूमिकाघ्को अहमघ्मानतेघ्हैं। वैश्विकघ्भारतीय समुदाय के साथ उनका दशकों पुराना जुड़ाव निस्संदेह इस मिशन में खासा योगदान देगा।

पक्षी और इनका जीवन : पक्षी ठण्ड के मौसम से कैसे बचते हैं?

❍ सर्दियों में प्रकृति में बहुत बड़े बदलाव होते हैं और पक्षी भी मौसम के अनुरूप अपने को ढाल लेते हैं। इन पक्षियों में ग्रेटर कश्मर्मोरेंट ध्फैलाक्रोकोरेक्स कार्बोध् अथवा जल काग अद्भुत रूप से सर्दियों में अपने व्यवहार और जीवनशैली को परिवर्तित करते हैं।

आशीष कोलारकर

इन दिनों कड़ाके की ठण्ड पड़ रही है। घर से बाहर निकलते ही दांत किटकिटाने लगते हैं। ठण्ड से बचाव के लिए हम सर पर टोपी, हाथों में दस्ताने, स्वेटर अथवा जैकेट और पैरों में मोजे पहने होते हैं। सुबह का समय तो रजाई में दुबके हुए ही निकल जाता है। लेकिन आपने कभी सोचा है कि हमारे पक्षी मित्र ठण्ड के मौसम का मुकाबला किस तरह करते हैं? उन्हें किसी ने कभी ठण्ड में कांपते हुए देखा है? नहीं ना! तो हम जानने की कोशिश करते हैं कि प्रकृति ने इन नन्हे प्राणियों को क्या दिया है जिससे वे स्वयं को कड़ाके की ठण्ड में भी सुरक्षित रखते हैं। सर्दियों में प्रकृति में बहुत बड़े बदलाव होते हैं और पक्षी भी मौसम के अनुरूप अपने को ढाल लेते हैं। इन पक्षियों में ग्रेटर कॉर्मोरेंट (फैलाक्रोकोरेक्स कार्बो) अथवा जल काग अद्भुत रूप से सर्दियों में अपने व्यवहार और जीवनशैली को परिवर्तित करते हैं। उल्लेखनीय है कि कॉर्मोरेंट विशेष रूप से अपने मछली पकड़ने के कौशल के लिए जाने जाते हैं। कॉर्मोरेंट सर्दियों के दौरान प्रायः प्रवास नहीं करते हैं और किसी मछलियों से भरपूर जल निकाय के आस पास अपना अड्डा बना लेते हैं।

कॉर्मोरेंट को सर्दियों में मछलियों को पकड़ने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ठण्ड में मछलियां गहरे पानी में चली जाती हैं, इस कारण कॉर्मोरेंट को अपना शिकार को पकड़ने के लिए काफी गहराई तक और अधिक समय तक गोता लगाना पड़ता है। कॉर्मोरेंट बेहतरीन गोताखोर होते हैं और पानी में 10 मीटर गहरे तक गोता लगाकर मछलियों को पकड़ लेते हैं। कॉर्मोरेंट मौसम के अनुरूप अपने आहार को भी संतुलित कर सकते हैं और ठण्ड के दिनों में छोटी मछलियों और अन्य जलीय जीवों का सेवन कर जीवित रहते हैं। ठण्ड के दौरान कॉर्मोरेंट अक्सर एक बड़े समूह में रहते हैं जिससे वे सुरक्षित महसूस करते हैं। जल निकायों के पास स्थित उनके बसेरों को वे पक्षियों की अन्य प्रजातियों के साथ भी साझा करते हैं। सर्दियों में कॉर्मोरेंट जब एक झुण्ड में आकाश में उड़ते हैं तो एक अद्भुत दृश्य पैदा हो जाता है। ठंडी रातों में समूह में रहने के कारण वे गर्म बने रहते हैं और अपनी ऊर्जा को बचाए रखते हैं।

कॉर्मोरेंट के पंख अन्य जलीय पक्षियों की तुलना में कम जलरोधक होते हैं, जो गोता लगाने में सहायता करते हैं। हालांकि, इस विशेषता के कारण उन्हें सर्दियों में भी अपने पंखों को बार–बार सुखाना पड़ता है। गुनगुनी धूप वाले दिनों में, कॉर्मोरेंट को अपने पंख फैलाकर बैठे हुए, ठंडी हवा में अपने पंख सुखाते हुए देखना आम बात है। सर्दियों में कॉर्मोरेंट को कम भोजन पर संतुष्ट रहना पड़ता है क्योंकि शिकार में पर्याप्त मछलियां उपलब्ध नहीं होती हैं। कड़ाके की ठण्ड में कॉर्मोरेंट अपनी अनावश्यक गतिविधियों को सीमित कर लेते हैं और अपनी उर्जा का संरक्षण करते हैं। वे अपना अधिकतर समय आराम करने में बिताते हैं और बसेरे में रहते हैं। उनकी चयापचय दर (उमजंइवसपब तंजम) उन्हें कठोर परिस्थितियों में जीवित रहने में मदद करती है।

सर्दियों में ग्रेटर कॉर्मोरेंट्स प्रजनन की तैयारी में लग जाते हैं। नर अपने चमकदार काले पंख दिखाकर और पंखों को लम्बा फैलाकर प्रणय प्रदर्शन करते हैं और मादाओं को आकर्षित करते हैं। इन दिनों में वे जल निकायों के इर्द–गिर्द घोंसला बनाने में भी मशगूल हो जाते हैं। घोंसला बनाने के काम आने वाली सामग्रियों जैसे टहनियों और पानी के शैवाल को एकत्रित करने में नर और मादा कॉर्मोरेंट्स व्यस्त हो जाते हैं। कॉर्मोरेंट्स मानव बस्तियों के आस–पास ही रहते हैं और सुरक्षित जल निकायों के करीब अपना घर बनाते हैं। लेकिन इस कारण उनका मछुआरों से भी संघर्ष होता रहता है, जिन्हें यह लगता है कि कॉर्मोरेंट्स मछलियों को खा जायेंगे या तितर–बितर कर देंगे। कॉर्मोरेंट्स को आकाश में उड़ते देखना पक्षी और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक रम्य अनुभव होता है।

हुआ है शह का मुसाहिब फिरे है इतराता

गालिब परेशान हैं, जिंदगी भर तंगहाल रहे, लेकिन शायरी के दम पर जो रुतबा कायम किया वो डेढ़ सौ साल बाद भी कायम ही है, अलबत्ता अब राजीव कु मार नाम के एक उभरते शायर उन्हें चुनौती देने की फिराक में नजर आते हैं। अपने समकालीन शायर शेख इब्राहीम जौक से भी गालिब की शायराना होड़ा होड़ी चलती थी, जिसमें गालिब कहते हैं– हुआ है शह का मुसाहिब फिरे है इतराता। वगरना शहर में गालिब की आबरू क्या है।। हालांकि जौक और गालिब दोनों ही ये मानते थे कि मीर उनसे महान शायर थे। गालिब ने मीर के लिए भी लिखा है कि–रेख्ते के तुम्हीं उस्ताद नहीं हो गालिब। कहते हैं अगले जमाने में कोई मीर भी था।। लेकिन इन नए उभरते शायर महाशय को अगले–पिछले किसी जमाने की परवाह नहीं है। यहां तक कि उन्हें अपनी शायरी पर इतना गुमान है कि वे रदीफ और काफिया की परवाह भी नहीं करते। इसलिए भरी महफिल में बेखौफ, बिना फरमाइश के, वे शायरी सुना देते हैं। आप उनसे सवाल कीजिए, वो बदले में आपको शायरी सुना देंगे। सवाल गुम, जवाब नदारद, और शायरी पर बिन मांगी वाह–वाह, इससे अधिक शह और उनके मुसाहिब को और क्या चाहिए। लोकतंत्र, निष्पक्ष चुनाव, बेईमानी, आचार संहिता का पालन, ऐसे सारे सवालों को हाशिए पर डालने का इससे बेहतरीन नुस्खा हो ही नहीं सकता। गालिब को टक्कर देने का दुस्साहस करने वाले शायर की पंक्तियों पर मुलाहिजा फरमाएं– सब सवाल अहमियत रखते हैं जवाब तो बनता है। आदतन कलमबंद जवाब देते रहे, आज तो रू–ब–रू भी बनता है क्या पता हम कल हो न हो, आज जवाब तो बनता है।। कुछ और पंक्तियां देखिए– कर न सके इकरार तो कोई बात नहीं, मेरी वफा का उनको ऐतबार तो है। शिकायत भले ही उनकी मजबूरी हो, मगर सुनना, सहना और सुलझाना हमारी आदत है।। इन बेतुकी पंक्तियों को किस कोण से शायरी कहा जा सकता है, इस सवाल का जवाब तो उर्दू के जानकार ही देंगे, लेकिन देश के मीडिया को जी–हुजूरी की इतनी आदत पड़ गई है कि इन पंक्तियों पर दाद देने का सिलसिला चल रहा है। लिखा जा रहा है कि राजीव कुमार की मीडिया से बातचीत को उनकी शायरी का यह अंदाज खास बनाता है। खैर, पसंद अपनी–अपनी खयाल अपना–अपना। हालांकि राजीव कुमार की ऐसी पंक्तियों पर मिली दाद से फिर गालिब ही याद आते हैं, जिन्होंने लिखा– थी खबर गर्म कि गालिब के उड़ेंगे पुर्जे। देखने हम भी गए थे प तमाशा न हुआ।। गालिब इसीलिए परेशान हैं, क्योंकि तब जो तमाशा नहीं हुआ, अब वो सरेआम हो रहा है। अब गालिब के पुर्जे उड़ रहे हैं, उड़ाए जा रहे हैं और महफिलें लूटने का दावा भी हो रहा है। कुछ दिनों पहले गायक दिलजीत दोसांझ प्रधानमंत्री मोदी से मिलने गए थे और वहां उन्होंने चंद पंक्तियां गाई थीं, जब वे गा रहे थे तो मोदीजी बगल में रखी मेज को तबला बनाकर संगत करने की कोशिश में दिखे। सुर और ताल का कोई मेल नहीं बना, लेकिन मीडिया ने वाह मोदीजी वाह जैसी दाद दी थी, हालांकि दिलजीत शायद हैरान हो रहे होंगे कि जैसी संगत उन्हें अपने किसी कार्यक्रम में, किसी मंच पर नहीं मिली, वो मोदीजी ने कैसे मुमकिन कर दिखाई। राहुल गांधी ने मोदीजी को बिल्कुल सही पहचाना है, उन्होंने एक बार कहा था कि वे भगवान को भी समझा सकते हैं कि उन्हें दुनिया कैसी चलानी है। दिलजीत दोसांझ के साथ बे ताल हो रहे मोदीजी को देखकर यही बात याद आई। वैसे दिलजीत दोसांझ जिस तरह काले कपड़ों में, काले आवरण में लिपटे गुलदस्ते को लेकर मोदीजी से मिलने गए थे, उसका जवाब मोदीजी इसी तरह दे सकते थे कि तुमने किसानों की बात की, अब तुम मेरा तबला वादन सुनो। दिलजीत को जवाब देने के बाद अब मोदीजी को फटाफट अपनी कविता की नयी किताब भी प्रकाशित करवा लेनी चाहिए, क्योंकि कौन जानता है कि उनके बचाव में शायरी सुनाते–सुनाते राजीव कुमार महाशायर का दर्जा हासिल कर लें और श्रीमान मोदी की महाकवि वाली छवि को चुनौती पेश हो जाए। प्रसून जोशी को तो भरपूर मौका मोदीजी ने दिया, अब उन्हें एक मौका कुमार विश्वास को भी देना चाहिए। कितने दिनों से नजर में आने की कोशिश कर रहे हैं और घटियापन की नयी–नयी मिसालें पेश कर रहे हैं। मोदीजी का एकाध साक्षात्कार कुमार विश्वास को मिल जाए, तो शायद उनका जीवन सफल हो जाए, मोदीजी के कवित्व को नया मुकाम मिल जाए और शायद राम को भी थोड़ी राहत मिले। गालिब की तरह राम भी खासे परेशान हैं कि उनके नाम पर हर तरह के अधर्म का डंका बजाया जा रहा है। जिन राम ने मर्यादा के उच्च मापदंड स्थापित किए, उनकी कथा कहने–सुनाने के नाम पर तमाम तरह के अमर्यादित बयान कुमार विश्वास दे रहे हैं और राम को लाने का दावा करने वाले मोदी राज की जनता ऐसी कि अपने देश की महिलाओं पर हो रही ओछी टिप्पणियों पर हंस–हंस तक ताली बजा रही है। कलयुग आने पर हंस के दाना चुगने और कौवे के मोती खाने पर भी अब उतना खौफ नहीं होता, जितना डर ये देखकर लगता है कि धर्म और संस्कृति के अवैध ठेकेदारों ने समाज को कितना निर्लज्ज बना दिया है। इस निर्लज्जता को कोई आईना दिखाए तो उस पर एफआईआर हो जाती है। अभी साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता, गोवा के लेखक दत्ता दामोदर नाइक पर आरोप लगा कि उन्होंने एक साक्षात्कार में मंदिर के पुजारियों को श्लुटेराश कहा था, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। उन पर एफआईआर दर्ज हुई, हालांकि श्री नाइक ने कहा कि वे कट्टर नास्तिक हैं और ऐसी एफआईआर से डरते नहीं हैं। परसाई जी होते तो उन पर भी ऐसी ही कार्रवाइयां शायद होतीं। परसाई जी ने लिखा था कि –मंदिर लूटने का मुकहमा मुसलमान राजाओं के यहां नहीं था। हिन्दू राजाओं के शासन में बाकायदा मंदिर लूटने का मुकहमा था। यह रिकॉर्ड है। मंदिर धर्म के कारण नहीं, धन के कारण लूटे जाते थे। सबसे ज्यादा मंदिर राजा हर्ष ने लूटे। परसाई जी ने मोदी शासन नहीं देखा, लेकिन कई दशक पहले उन्होंने लिखा था कि – देश एक कतार में बदल गया है। चलती–फिरती कतार है– कभी चावल की दुकान पर खड़ी होती है, फिर सरक कर शक्कर की दुकान पर चली जाती है। आधी जिन्दगी कतार में खड़े–खड़े बीत रही है। हालांकि यहां थोड़ा सुधार करना पड़ता कि आधी नहीं पूरी जिन्दगी कतार में बीते, यही मोदी सरकार की कोशिश है। नोटबंदी से शुरू हुआ सिलसिला अब पांच किलो राशन लेने तक बना हुआ है और प्रधानमंत्री शीशमहल बनाम राजमहल का मुद्दा खड़ा करके घर–घर का खेल कर रहे हैं। इस बीच उनके घर (गृह) मंत्री यह देख रहे हैं कि जनता का ध्यान इधर–उधर भटका रहे। इसलिए कभी एक योजना, कभी दूसरी योजना लाई जा रही है। मंगलवार को भारत पोल पोर्टल लॉन्च हुआ है, जो विदेशों में छिपे भारत के अपराधियों की खोज का काम करेगी। ये काम पहले भी होता था, अब इंटर पोल की तर्ज पर भारत पोल बनाकर इसे तेज किया जाएगा। भारत पोल मेहुल चौकसी, नीरव मोदी जैसों को भी ढूंढ लेगा क्या, ये सवाल अब पूछे जा रहे हैं। वैसे भारत पोल की जगह खोज का शब्द युग्म होता तो बेहतर लगता। लेकिन भारत खोज बनाने से लोगों को भारत एक खोज की याद आ जाती और फिर नेहरू भी याद आते। वैसे भी नेहरू को भुलाने की सारी कोशिशें नाकाम ही हो रही हैं, ऊपर से भारत खोजा हो जाता तो और मुश्किल हो जाती। इसलिए पोल ही ठीक है, कम से कम पोल खुलने से बची रहेगी। बाकी गालिब से लेकर परसाई तक सब परेशान हैं, मगर नेहरू मुस्कुरा रहे हैं। मोदी भारत खोज तक नहीं पहुंच पाए हैं।

रोज गार्डन में लगेगी एंट्री फीस, राशि से लगेंगे ओपेन जिम, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट

मऊ। नगर के एकमात्र रोज गार्डन में जल्द ही प्रवेश शुल्क (एंट्री फीस) देना होगा। इसका निर्णय 10 सदस्यीय 'जिला उद्यान विकास समिति' ने लिए है। शुल्क से राजस्व से गार्डन में नया ओपेन जिम, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, स्ट्रीट लाइट जैसी कई सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रवेश शुल्क को लेकर तीन कैटगरी बनाई गई है, इसमें रोजाना, छमाही और वार्षिक शुल्क की सुविधा की योजना है। उधर, इकलौते पार्क में प्रवेश पर शुल्क को लेकर मिलाजुला असर भी देखने को मिल रहा है। जहां कई लोग इस निर्णय को लेकर विरोध जता रहे हैं तो वहीं कई लोग इसे विकास के तौर एक सकारात्मक कदम उठाना बता रहे हैं। जिला उद्यान अधिकारी संदीप गुप्ता ने बताया कि शासन के आदेश के क्रम में जिलाधिकारी प्रवीण मिश्रा ने 10 सदस्यीय जिला उद्यान विकास समिति का गठन किया गया है। बुधवार की शाम को समिति के सभी सदस्यों की बैठक गार्डन में हुई। इसमें पार्क के रख–रखाव और संसाधनों की उपलब्धता को लेकर इसका निर्णय लिया गया कि अब पार्क में प्रवेश शुल्क की राशि लगाई जाएगी। इसके तहत पांच रुपये का शुल्क की योजना है, बताया कि इससे मिलने वाली राशि से गार्डन के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य होंगे। बताया कि इससे भविष्य में नया ओपेन जिम, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, स्ट्रीट लाइट, प्लास्टिक डस्टबिन, बेंच, तालाब के लिए फव्वारा लगाना आदि शामिल हैं। वहीं बैठक में शामिल सदस्य नपा अध्यक्ष अरशद जमाल ने बताया कि नगर पालिका द्वारा पार्क में समुचित प्रकाश व्यवस्था, रास्ता निर्माण, साफ सफाई, जल निकासी आदि को सुगम बनाने का कार्य किया जाएगा।

धूप निकलने से चार डिग्री बढ़ा पारा, मिली राहत

पीडीडीयू नगर। जिले में चार दिनों से कोहरे के साथ बर्फीली हवाओं से ठिठुर रहे लोगों ने बृहस्पतिवार को धूप निकलने से राहत महसूस की। सुबह नौ बजे धूप खिली तो कोहरा छंट गया और हवा की गति भी धीमी रही। इससे जिले का अधिकतम तापमान चार डिग्री बढ़कर 20 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। हालांकि न्यूनतम तापमान नौ डिग्री पर बरकरार रहा। बृहस्पतिवार को सुबह से ही मौसम साफ रहा। इसके बाद सुबह नौ बजे धूप निकल आई। हालांकि कुछ देर तक बादल भी छाए रहे लेकिन दिन चढ़ने के साथ धूप तेज हो गई। वहीं, हवा की रफ्तार घटकर सात किमीटर प्रति घंटा हो गई, जिस कारण शीतलहर से ठिठुर रहे लोगों ने राहत महसूस की। वहीं, धूप निकलने से सड़कों और बाजारों चहल–पहल बढ़ी गई। इससे जिले का अधिकतम तापमान 16 से बढ़कर 20 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जबकि न्यूनतम तापमान 9 डिग्री पर बना रहा। हालांकि सूर्यास्त होते ही फिर से तेज गलन शुरू हो गई और लोग घरों में दुबक गए।

तीन लाख स्मार्ट मीटर लगेंगे, 75 हजार घरों में आर्मर्ड केबल

पीडीडीयू नगर। जिले में विद्युत निगम की ओर से तीन लाख घरों व प्रतिष्ठानों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। वहीं, 75 हजार उपभोक्ताओं के जर्जर केबल हटाकर आर्मर्ड केबल लगाया जाएगा। केबल और मीटर लगाने में गड़बड़ी मिलने पर उपभोक्ता अधीक्षण अभियंता से शिकायत कर सकते हैं। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार अग्रवाल बताया कि बिजली चोरी रोकने के लिए मुगलसराय, सकलडीहा और चंदौली विद्युत उपकेंद्र से जुड़े तीन लाख उपभोक्ताओं के घरों व प्रतिष्ठानों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। साथ 25 हजार उपभोक्ताओं के केबल जर्जर हैं। ऐसे उपभोक्ताओं के घर में आर्मर्ड केबल लगाया जाएगा। यदि कार्यदायी संस्था केबल लगाने से मना नहीं करती तो उपभोक्ता मीटर लगने के बाद सीलिंग सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर न करें और इनकी शिकायत विद्युत निगम के अधिकारियों से करें। उन्होंने बताया स्मार्ट मीटर लगने के बाद तय लोड से ज्यादा बिजली का उपभोग करने पर अलार्म बजेगा और इसके बाद बिजली आपूर्ति बंद हो जाएगी। कहा कि इससे जहां बिजली चोरी पर अंकुश लगेगा, वहीं उपभोक्ताओं को रिचार्ज के मुताबिक बिजली की सुविधा मिल सकेगी। मीटर रीडिंग, बिल जमा करने और वसूली का झंझट खत्म हो जाएगा। यह है आर्मर्ड केबल : विद्युत वितरण में स्टील वायर (आर्मर्ड केबल) का प्रयोग होता है, जो बहुत कठोर होता है। इसे बिजली की मुख्य आपूर्ति के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें 11 केवी और 33 केवी के केबल शामिल हैं। यह भूमिगत प्रणालियों, बिजली नेटवर्क और केबल डक्टिंग में उपयोग किया जाता है। इसके ऊपर एल्युमीनियम और लोहे का कवच होता है, जिस कारण कठोर होता है।

बिना लाइसेंस मांस-मछली बेचने वालों पर होगी कार्रवाई

पीडीडीयू नगर। जिले में बिना लाइसेंस के मांस–मछली और मुर्गा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही गंदगी फैलाने और मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन कार्रवाई करेगा। इसके लिए जल्द ही पूरे जिले में अभियान चलाया जाएगा। चंदौली, सकलडीहा, पीडीडीयू नगर चकिया, पड़ाव आदि इलाकों में बड़े पैमाने पर मांस–मछली का कारोबार हो रहा है। जिले में करीब 500 मछली और 350 मुर्गा की दुकानों का लाइसेंस लिया गया है। वहीं, 500 से ज्यादा दुकानें बिना लाइसेंस के चल रही है। कई जगहों पर सड़कों के किनारे खुले में ही मांस–मछली बेची जा रही हैं। वहीं, बकरा–मछली और मुर्गा के अवशेष खुले में ही फेंक देते हैं, जिससे गंदगी फैलती है। अब ऐसे दुकानदारों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

नौ केंद्र पर होगी नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा

चंदौली। जनपद में नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 18 जनवरी को नौ केंद्र पर होगी। विभाग ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली है। परीक्षा सुबह 11ः30 से 1ः30 बजे तक होगी। इसमें 6467 परीक्षार्थी भाग लेंगे। परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षकों के साथ सीसीटीवी कैमरे की भी व्यवस्था की गई है। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए जनपद के नौ केंद्रों पर होगी। इसमें नेशनल इंटर कॉलेज सैयदराजा में 668, राहुल इंटरनेशनल स्कूल महुअर कला चहनियां में 920, आदित्य नारायण इंटर कॉलेज चकिया में 562, महेंद्र इंटर कॉलेज चंदौली में 804, बी एंड बी इंटरनेशनल स्कूल खरखोलिया धानापुर में 892, राजकीय इंटर कॉलेज नौगढ़ में 419, नगर पालिका इंटर कॉलेज मुगलसराय 712, गांधी स्मारक इंटर कॉलेज शहाबगंज में 537 व सकलडीहा इंटर कॉलेज सकलडीहा में 953 परीक्षार्थी परीक्षा में भाग लेंगे। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि परीक्षा की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। पर्यवेक्षकों के साथ–साथ सीसीटीवी कैमरा व अन्य व्यवस्थाएं की गई है, ताकि नकल विहीन परीक्षा कराई जा सके। साथ ही परीक्षा में शामिल होने वाले बच्चे अपने प्रवेश पत्र नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट पर डाउनलोड कर प्राप्त कर सकते हैं।

सिमकार्ड शुरू करने के बहाने महिला के खाते से 10 बार में ठगे 2.20 लाख

कोपागंज। बाबूपुर शाहपुर में एक महिला से सिमकार्ड शुरू के नाम पर 2.20 लाख रुपये खाते से गायब कर दिए। महिला ने तत्काल इसकी सूचना साइबर क्राइम को दी। जानकारी के अनुसार आशा कुमारी निवासी बाबूपुर शाहपुर विगत पांच दिसंबर को कस्टमर केयर से सिमकार्ड चालू करने के लिए बात की। कुछ देर बाद एक दूसरे मोबाइल से कॉल आई और उसने सिमकार्ड चालू करने के लिए मोबाइल की सेटिंग करने को कहा। इसी दौरान आशा के खाता से 96,709 रुपये गायब हो गए।आशा ने तत्काल इसकी शिकायत की। देखते देखते दस बार में महिला के खाते से 2.20 लाख रुपये कट गए। पैसे वापस नहीं आने पर महिला ने इसकी शिकायत साइबर क्राइम से करते हुए कोपागंज पुलिस को तहरीर दी है।

आभूषण की दुकान को चोरों ने बनाया निशाना, ग्राइंडर से तिजोरी काटकर उठा ले गए गहने

मऊ। मऊ जिले की घोसी कोतवाली क्षेत्र के अमिला कस्बा स्थित सराफा की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों का सोना का गहना और साथ दस किलो चांदी चोरी कर ले गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार घोसी कोतवाली क्षेत्र के पीडउथसिंहपुर निवासी रंजीत वर्मा की दुकान अमिला कस्बा स्थित हनुमान मंदिर के पास है। रोज की तरह गुरुवार की शाम आठ बजे दुकान बंद कर घर चले गए। शुक्रवार की सुबह पड़ोसी दुकानदार ने शटर टूटने की सूचना दी।

नौ कैटेगरी के लोग बिना नेट जेआरएफ कर सकेंगे पीएचडी

वाराणसी। बीएचयू में दो दिन में 2000 अभ्यर्थियों ने पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन कर दिया है। रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट (आरईटी) और आरईटी एग्जेम्प्टेड दोनों कैटेगरी में रजिस्ट्रेशन हुए हैं। इस बार बीएचयू में करीब 8–10 हजार पीएचडी आवेदन हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि बिना नेट–जेआरएफ के भी पीएचडी के लिए सीधे प्रवेश मिल सकता है। आरईटी एग्जेम्प्टेड कैटेगरी के तहत विकल्प दिया गया है। बीएचयू के कॉलेजों के शिक्षक, व्यावसायी, नौकरीपेशा, प्रोजेक्ट रिसर्चर हो या कर्मचारी हर कोई पीएचडी में आवेदन कर सकता है। आरईटी एग्जेम्प्टेड कैटेगरी में कुल छह में प्रवेश लिया जाएगा। यूजीसी–जेआरएफ, सीएसआईआर–जेआरएफ, आईसीएमआर जेआरएफ, डीबीटी–जेआरएफ, आईसीएआर एसआरएफ और डायरेक्ट एडमिशन शामिल है। 9 कैटेगरी के लोग पीएचडी में सीधे प्रवेश पा सकते हैं। बीएचयू और संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक, नॉन टीचिंग स्टाफ, एक्सटर्नल पार्ट टाइम, बीएचयू में प्रोजेक्ट रिसर्चर, राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय पीएचडी स्कॉलरशिप, क्वालिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम में चयनित अभ्यर्थी, एमडीएमएस–एमफिल और विदेशी छात्र फेलोशिप के तहत पीएचडी कर सकते हैं।

एसओजी के सिपाही पर 25 हजार रुपये लेने का आरोप

वाराणसी। कमिश्नरेट की एसओजी के एक सिपाही पर चंदौली के रामगढ़ निवासी एक युवक को छोड़ने के एवज में उसके भाई से 25 हजार रुपये लेने का आरोप लगा है। आरोप है कि युवक को भेलूपुर थाना क्षेत्र के सोने के हार की लूट के मामले में पूछताछ के लिए लाया गया था। युवक की तबीयत भी खराब थी। इसके बावजूद उसे पैसा लेने के बाद ही छोड़ा गया।

जिलाध्यक्ष के लिए 90, महानगर अध्यक्ष के लिए आए 78 आवेदन

वाराणसी। भाजपा में जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद पर 168 कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को आवेदन किए। रोहनिया स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में जिलाध्यक्ष पद के लिए 90 और सिगरा स्थित महानगर कार्यालय में महानगर अध्यक्ष पद के लिए 78 लोगों ने आवेदन किया। दोनों कार्यालयों में आवेदन के लिए कार्यकर्ता, पदाधिकारी अपने–अपने समर्थकों के साथ सुबह 11 बजे से पहुंचना शुरू हो गए। बैंड बाजे के साथ भी कई कार्यकर्ता पहुंचे। दोपहर तीन बजे तक दोनों कार्यालयों में आवेदन लिए गए। पूर्व सांसद एवं काशी क्षेत्र के पर्यवेक्षक सुब्रत पाठक की देखरेख में जिला व महानगर की की नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई। जिले के चुनाव अधिकारी अशोक कटारिया ने दोपहर 12 बजे से लेकर 3 बजे तक नामांकन पत्र स्वीकार लिए। इस दौरान जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा और एमएलसी धर्मेंद्र राय मौजूद रहे। महानगर अध्यक्ष पद के लिए गुलाब बाग स्थित पार्टी कार्यालय पर चुनाव अधिकारी पुरुषोत्तम खंडेलवाल के के पास कुल 78 नामांकन पत्र आए। इस दौरान यहां महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, महानगर के सह चुनाव अधिकारी जेपी सिंह एवं निर्मला पटेल मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वालों में मुख्य रूप से सुरेश सिंह, प्रवीण सिंह गौतम, संजय सोनकर, अरविंद पटेल, वीरू सिंह, अखंड प्रताप सिंह, पवन सिंह, दिनेश मौर्या, अपराजिता सोनकर, सुनीता सिंह का नाम शामिल रहा। वहीं महानगर अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वालों में अशोक चौरसिया, नवरतन राठी, नवीन कपूर, जगदीश त्रिपाठी, अशोक पटेल, अभिषेक मिश्रा का नाम रहा। इसके अलावा प्रदेश परिषद पद के लिए महानगर से अजय सिंह, चंद्र विजय सिंह, प्रमोद यादव, नंदलाल चौहान, किशोर कुमार पांडे ने नामांकन दाखिल किया।

ठंड से दो की मौत, महिला को नहाने के बाद सर्दी ने जकड़ा

बांदा (यूएनएस)। जनपद में ठंड के कारण एक 18 वर्षीय युवक और एक महिला की मौत हो गई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पहला मामला गिरवा थाना क्षेत्र के नसेनी गांव का है, जहां शिवलली (47) अपनी दिनचर्या के अनुसार सुबह नहाने गई थीं। ठंड के कारण नहाते वक्त उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया, जिससे उनकी मौत हो गई। जब परिजनों ने महिला को देखा, तो उन्होंने तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।दूसरा मामला पैलानी थाना क्षेत्र के खैरई गांव का है।

चक्काजाम करने में 18 नामजद समेत 68 आरोपियों पर मुकदमा

पीडीडीयू नगर। पड़ाव–पीडीडीयू नगर मार्ग पर चक्काजाम करने के मामले में बृहस्पतिवार को मुगलसराय पुलिस ने 18 नामजद और 50 अज्ञात समेत 68 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बुधवार को मढ़िया निवासी युवक का शव गंगा में मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने चक्काजाम किया था। वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र के अवधूत भगवान राम घाट पर 7 जनवरी की शाम चंदौली के मुगलसराय थाना क्षेत्र के मढ़िया निवासी प्रिंस पटेल (22) का शव मिला था। प्रिंस ट्रैक्टर चलाकर अपने दो भाइयों, एक बहन और मां का पालन–पोषण करता था। 2 जनवरी को अपनी मां से 500 रुपये लेकर जूता खरीदने के लिए घर से निकला था लेकिन घर नहीं लौटा। 7 जनवरी को उसका शव मिलने के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन और ग्रामीणों ने निकलकर पड़ाव–पीडीडीयू नगर मार्ग पर जलीलपुर चौकी के सामने शव रखकर चक्काजाम कर दिया था। परिजन एक व्यक्ति पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने और चौकी के सिपाही को निलंबित करने की मांग कर रहे थे। पुलिस के आश्वासन पर 40 मिनट बाद चक्काजाम समाप्त हो गया था। कुछ देर बाद लोगों ने फिर से एक घंटे तक जाम कर दिया। इस मामले में मुगलसराय पुलिस ने 68 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। पीडीडीयू नगर के सीओ आशुतोष ने बताया कि मृतक के किसी परिजन पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

ऑटो और बाइक की जोरदार भिड़ंत में युवक घायल, अस्पताल पहुंचने से पहले हुई मौत

मऊ। मऊ जिले के मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के जासोपुर गांव के पास बीती रात ऑटो और बाइक की आमने–सामने भिड़ंत में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से युवक को जिला अस्पताल लाया जा रहा था कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। यह है पूरा मामला : जानकारी के अनुसार घोसी कोतवाली क्षेत्र के नदवा खास दलित बस्ती निवासी राकेश (28) बृहस्पतिवार की रात को किसी काम से मुहम्मदाबाद गोहना गया था। रात करीब नौ बजे वह वापस अपने घर जा रहा था। अभी वह मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के जासोपुर गांव के पास पहुंचा था कि सामने से आ रही ऑटो ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। दोनों वाहनों की टक्कर में बाइक और ऑटो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और दोनों वाहनों को सड़क के किनारे कराया। इस दौरान बाइक सवार गंभीर रूप से घायल पाया गया। स्थानीय लोग उसे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जिला चिकित्सालय पहुंचने पर चिकित्सक ने इसकी पुष्टि की। कुछ देर बाद पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दहेज के लालची लड़के वालों ने तोड़ी शादी,दूल्हे समेत 4 पर केस दर्ज

बांदा (यूएनएस)। जिले के बिसंडा थाना इंगेजमेंट के बाद दूल्हे ने दहेज में अतिरिक्त पांच लाख रुपए की मांग की, जिसे पूरा न कर पाने पर शादी से इंकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई, जिसपर पुलिस ने दूल्हे और उसके परिवार के चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी बबेरू तहसील के एक युवक से तय की थी, जो बिहार में टीचर हैं। शादी के लिए 11 लाख रुपए नगद और डेढ़ लाख रुपए का सामान देने पर सहमति बनी थी। इंगेजमेंट का कार्यक्रम 11 नवंबर 2024 को हुआ था और शादी की तारीख 16 जनवरी 2025 तय की गई थी। शादी की तैयारियों के तहत मैरिज हॉल, कार्ड और हलवाई भी बुक कर दिए गए थे, लेकिन दूल्हे पक्ष ने शादी से कुछ दिन पहले अतिरिक्त पांच लाख रुपए की दहेज की मांग कर दी। दुल्हन के परिवार ने यह राशि देने में असमर्थता जताई, जिसके बाद पंचायत हुई और लड़के के परिवार ने शादी से इंकार कर दिया। पीड़ित परिवार के शिकायत करने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और दूल्हे समेत चार आरोपियों पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज किया। पुलिस ने कहा कि जांच चल रही है और सभी तथ्यों की गहनता से जांच की जाएगी। यह मामला एक बार फिर दहेज प्रथा और इसके चलते उत्पन्न होने वाली परेशानियों को उजागर करता है। समाज में आज भी कई स्थानों पर दहेज की बढ़ती मांगों के कारण कई विवाहिक रिश्ते टूट रहे हैं। इस मामले में भी दुल्हन के परिवार को अतिरिक्त दहेज की मांग से झटका लगा और उन्हें एक अनचाहे मोड़ पर पहुंचना पड़ा। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि लड़के के परिवार ने एक बार फिर दहेज की तिकड़मों से उन्हें परेशानी में डाला और शादी को तोड़ दिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस मामले की जांच तेजी से की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवार अब न्याय की उम्मीद कर रहा है और उन्होंने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी सजा दी जाए ताकि भविष्य में किसी और को इस तरह की स्थिति का सामना न करना पड़े।

14वें दिन गांव-गांव, पांव-पांव पद यात्रा पहुंची कदौरा,ग्राम प्रधानों ने राजा बुंदेला को दिया समर्थन

उरई / जालौन (यूएनएस)। पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग को लेकर गांव–गांव, पांव–पांव पद यात्रा अंतिम चरण में जा पहुंची है। यात्रा 14वें दिन कदौरा विकासखंड क्षेत्र में पहुंची। जहां जनता ने इस पद यात्रा का जोरदार स्वागत व समर्थन किया। इस दौरान एक साथ दो दर्जन ग्राम के प्रधानों ने राजा बुंदेला को 10 जनवरी को उरई में होने वाले बड़े आंदोलन में शामिल होने के लिए अपना समर्थन दिया। बता दे कि पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग लेकर बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों द्वारा बुंदेलखंड विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष राजा बुंदेला के नेतृत्व में पदयात्रा निकाली जा रही है। बुधवार को यात्रा की शुरुआत जोल्हूपुर, सरसेला, सैदपुर, शाहजहांपुर से हुई। जो अलग–अलग ग्रामों से निकली और कदौरा नगर पहुंची। जहां प्रवेश द्वार पर भव्य स्वागत किया गया। राजा बुंदेला ने ग्रामीणों को बुंदेलखंड राज्य की मांग का महत्व समझाते हुए कहा कि यह बुंदेलखंड के लोगों के भविष्य की लड़ाई है। हम सभी ग्रामीणों को एक साथ मिलकर बुंदेलखंड की लड़ाई लड़नी है। उन्होंने कहा कि रोजगार के कम अवसर होने की वजह से लोग पलायन कर रहे है। झांसी स्टेशन पर दिल्ली और मुंबई जाने वाली गाड़ियों को देखो कैसे हम लोग बोरी में अपना जीविका का सामान भरकर नौकरी के लिए जाते है। कोई पल्लेदारी करता है, कोई फैक्ट्री में काम करता है, तो कोई मजदूरी करता है, यह आर्थिक दृष्टि से भी गलत है कि एक प्रांत की 68: आबादी सिर्फ रोजगार के लिए अपना गृह छोड़कर जा रही है। सरकार कब चेतेगी, जब अलग बुन्देलखण्ड बनेगा, तभी ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर विकसित होंगे। राजा बुंदेला ने कहा कि हम जहां भी जा रहे है।

अतिक्रमण पर जमकर गरजा बुलडोजर, दुकानदारों में मची खलबली

बहराइच (यूएनएस)। शहर में गुरुवार को नगर पालिका परिषद बहराइच और पुलिस की अगुवाई में अतिक्रमण हटवाया गया। अतिक्रमण पर जमकर बुलडोजर गरजा। शहर के अस्पताल चौराहा से डिगिहा तिराहे तक प्रतिदिन जाम लगती है। इससे शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के आवागमन में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

काशी विद्यापीठ में 20 तक कर सकेंगे छात्रावास के लिए आवेदन

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में 2024–25 में छात्रावास आवंटन के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। संबंधित विद्यार्थी 20 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। समर्थ पोर्टल पर फॉर्म मिलेगा। विश्वविद्यालय में यूजी, पीजी में दाखिले की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। अधिकांश पाठ्यक्रमों की कक्षाएं भी चलने लगी है। इस बीच छात्रावासों में कमरे के आवंटन के लिए आवेदन शुरू हो गया है। मुख्य गृहपति प्रो. तेज बहादुर सिंह ने बताया कि आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास में स्नातक के छात्र, लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास में शोध, स्नातकोत्तर के छात्र आवेदन जमा कर सकेंगे। स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध की छात्राओं को जेके महिला छात्रावास के कार्यकाल में आवेदन जमा करना होगा। छात्रावास के लिए केवल मुख्य परिसर के छात्र–छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। कहा कि विस्तृत जानकारी काशी विद्यापीठ की वेबसाइट से ली सकती है।

अश्वर्डर पहुंचाने आए वाराणसी के सराफ से लाखों के आभूषण लूटे

सादात (गाजीपुर)। थाना क्षेत्र डढ़वल के पास बुधवार की देर शाम तमंचे के बल पर वाराणसी के सराफा व्यवसायी से लाखों के आभूषण की लूट हुई है। वह बाइक से ऑर्डर के जेवर पहुंचाने सादात आए थे। पुलिस पीड़ित की तहरीर पर लूट का मुकदमा दर्ज कर जांच–पड़ताल में जुट गई है। आजमगढ़ जिले के कोतवाली क्षेत्र के देवगांव निवासी सत्यम सेठ की रेशम कटरा 47क48 चौक, थाना चौक जनपद वाराणसी में सोने–चांदी की दुकान हैं। वह सादात बाजार के वार्ड पांच निवासी संतोष सेठ के यहां आभूषण के ऑर्डर पहुंचाने जा रहे थे। तहरीर के मुताबिक वह मोटरसाइकिल से जा रहे थे। रास्ते में डढ़वल गांव के पास बुधवार शाम सवा छह बजे दो मोटरसाइकिल पर सवार बदमाशों ने तमंचा दिखाकर उनकी बाइक रोक ली। झोले में एक सोने का लॉकेट लगभग 40 ग्राम, 14 पीस नथिया 25 ग्राम, 20 जोड़ी कुंडा व 25 बूंदा लूटकर भाग गए। उधर, घटना की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल की। थानाध्यक्ष कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सराफ की तहरीर पर लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

20 बीघे की अवैध प्लाटिंग ध्वस्त, 9 अवैध निर्माण सील

वाराणसी। वीडीए की ओर से बृहस्पतिवार को 20 बीघे की अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त करवाई गई और 9 अवैध निर्माण सील किए गए। वार्ड मुगलसराय के बिलारिहडीह रंगोली अलीनगर में 20 बीघे में अवैध तरीके से प्लॉटिंग की जा रही थी। जोनल अधिकारी सिंह गौरव जयप्रकाश की निगरानी में कार्रवाई की गई। सारनाथ वार्ड में नीरज पांडेय ने फरीदपुर में बगैर नक्शा के हो रहे अवैध निर्माण को सील कराया। बरियासनपुर संदहा में विजय ने अवैध निर्माण सील किया। रमेश यादव ने महनपुरा रिंग रोड सारनाथ के पास अवैध निर्माण सील कराए। उधर वीडीए के अपर सचिव डॉ गुडाकेश शर्मा ने शिवपुर वार्ड के शिवपुर बाईपास रोड भगतपुर, वाराणसी रिंग रोड, माधोपुर, हरिहरपुर, सरसवां, अहमदपुर, दान्दूपुर, , मकबूल आलम रोड हमरौटिया, सुद्धीपुर शिवपुर के 11 स्थलों का निरीक्षण किया। मौके पर 6 निर्माण सील कराए। जोनल अधिकारियों को हिदायत दी कि जांच कर अवैध निर्माण सील कराएं।

दिन में धूप से राहत, 4 डिग्री बढ़ा अधिकतम तापमान

वाराणसी। दिन का मौसम बृहस्पतिवार को भी साफ रहा। इस वजह से लोगों ने ठंड से राहत महसूस की, लेकिन शाम होते ही गलन बढ़ गई। बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हालांकि रात में ठंड रहने की वजह से न्यूनतम तापमान 7.0 रिकॉर्ड किया गया। जनवरी के दूसरे सप्ताह के शुरुआत से मौसम साफ दिखने लगा है। इधर दो दिन से दिन में हवा की रफ्तार कम होने और धूप निकलने से ठंड से राहत मिली है। हालांकि शाम होते ही फिर मौसम ठंडा हो जा रहा है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. राजीव भाटला ने बताया कि एक पश्चिमी विक्षोभ के फिर सक्रिय होने के आसार हैं। इस वजह से 10 से 12 जनवरी तक बादलों की आवाजाही के साथ ही नम हवाओं के चलने के आसार हैं।

488 क्विंटल धान लेकर पटना के लिए निकले दो ट्रक नहीं पहुंचे

राजातालाब। 488 क्विंटल धान लेकर कचनार से पटना स्थित एक फर्म के लिए निकले दो ट्रक 52 दिन बाद भी नहीं पहुंचे। अब न ट्रकों का पता लग रहा है और न दोनों ड्राइवरों के बारे में ही कोई जानकारी मिल पा रही है। भुक्तभोगी दो व्यापारियों ने घटना की मौखिक सूचना राजातालाब थाने की पुलिस को दी है। शुक्रवार को दोनों व्यापारी घटना के संबंध में तहरीर देंगे। राजातालाब थाना क्षेत्र के कचनार के जिबोध जायसवाल और दीपमाला ने पटना स्थित एक फर्म को दो ट्रक से 488 क्विंटल धान भेजा था। दोनों ट्रक 19 नवंबर 2024 को पटना के लिए रवाना हुए थे। दोनों ट्रक भीटी रामनगर स्थित ट्रांसपोर्ट कंपनी से आए थे। दोनों ट्रक के पटना न पहुंचने की सूचना पर व्यापारियों ने ड्राइवर से बात की। ड्राइवर ने बताया कि सड़क हादसा हो गया था। जल्द ही दोनों ट्रक पटना पहुंच जाएंगे। इसके बाद ट्रक ड्राइवरों ने पटना स्थित फर्म में धान पहुंचाने की बात कही।

शोध में दाखिले के विरोध में दीवार पर चढ़े छात्र

वाराणसी। बीएचयू में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया को लेकर छात्रों ने बृहस्पतिवार को फिर प्रदर्शन किया। केंद्रीय कार्यालय पहुंचकर छात्रों ने नारेबाजी भी की। छात्र केंद्रीय कार्यालय के अंदर जाकर अधिकारियों से मिलना चाह रहे थे। उनकी सुरक्षाकर्मियों से नोकझोंक भी हुई। इससे नाराज छात्रों ने केंद्रीय कार्यालय की दीवार पर चढ़कर विरोध जताया। हाल ही में जारी नोटिफिकेशन को रद्द कर दोबारा जारी करने की मांग की। विश्वविद्यालय में पीएचडी में दाखिले को लेकर हाल ही में नोटिफिकेशन जारी किया गया था। छात्रों ने बताया कि पिछले दिनों जारी बुलेटिन की जो कमियां थीं, उसको लेकर दिए गए धरने के दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने मांगों को लेकर जो आश्वासन दिया था, उसको बुलेटिन में पूरा नहीं किया गया। सिर्फ एक ही सत्र में नेट परीक्षा क्वालीफाई किए छात्रों को प्रवेश देने का जिक्र है। नोटिफिकेशन में छात्रों की सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा गया।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

प्रयागराज

प्रयागराज, रविवार 12 जनवरी 2025

ज्ञान का प्रयोग करें- चंद्रिका दीदी

महाकुंभ नगर। हमारा चरित्र ही हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है। स्वामी

विवेकानंद ने कहा था यदि उन्हें उज्ज्वल चरित्र के 100 युवा मिल जाएं तो वह पूरे भारत को बदल सकते हैं। वर्तमान में युवाओं को अपने तन मन और समय के महत्व को जान इसका सदुपयोग करना चाहिए। अगर हम इसका सही उपयोग करते हैं तो हमारे जीवन में प्रगति निश्चित है। उपरोक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके चंद्रिका दीदी ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित युवा कुंभ के अवसर पर व्यक्त की। आयोजन ब्रह्माकुमारीज के सेक्टर 7, कुंभ मेला क्षेत्र स्थित पंडाल स्वर्णिम भारत ज्ञान कुंभ में हुआ।

महाकुंभ मे सनातन धर्म संसद होगी।

प्रयागनगर। सनातन न्यास फाउंडेशन अध्यक्ष देवकीनंदन ठाकुर ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रमुख विषयों पर चिंतन मंथन के

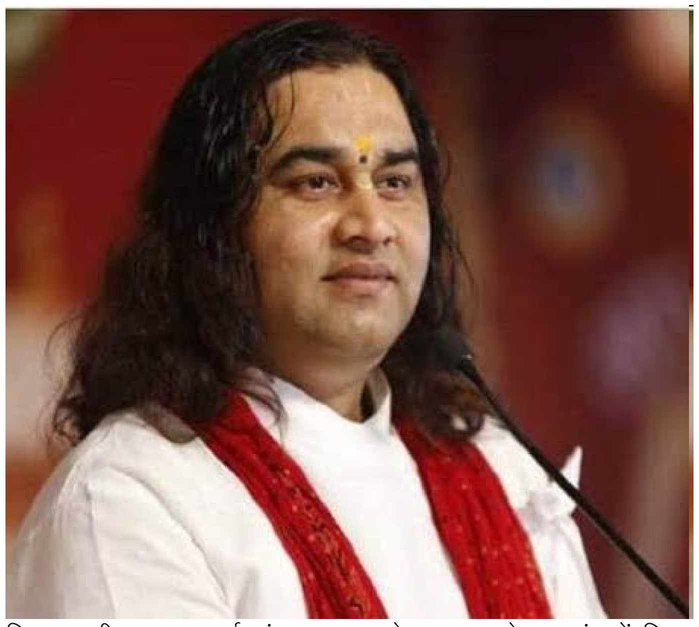

लिए चारवी सनातन धर्म संसद का आयोजन २७ को महाकुंभ में किया जाएगा। संसद में सभी अखाड़ों के साथ, जगद्गुरु शंकराचार्य, प्रमुख संत, कथाकार, धर्माचार्यों, विद्वतजनों एवं सनातनी विचारकों के सानिध्य भाग लेगे। सभी प्रमुख संतों के शिविरों में जाकर धर्म संसद का निमंत्रण देते हुए सनातन बोर्ड में उनके सुझाव लिए जाएंगे। 36 राजनीतिक पार्टियों को भेजा था पत्र – सनातन न्यास फाउंडेशन द्वारा दिल्ली में 16 नवंबर को हुई धर्म संसद में देश की 36 बड़ी राजनीतिक पार्टियों को सनातन बोर्ड पर समर्थन के लिए पत्र भेजे गए थे, लेकिन उन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

फ्री सेनेटरी पैड कॉर्नर' का उद्घाटन।

महाकुम्भ नगर। शनिवार को महाकुम्भ क्षेत्र में फ्री सेनेटरी पैड कॉर्नर

की पहली यूनिट का फीता काटकर उदघाटन परेड ग्राउंड स्थित सेंट्रल हॉस्पिटल के निकट हुआ। उद्घाटन स्त्री रोग विशेषज्ञ डाक्टर कीर्तिका अग्रवाल एवं ज्वाइंट डायरेक्टर हेल्थ डाक्टर विवेक मिश्रा ने किया।अभी 6 ऐसे कॉर्नर महा कुम्भ क्षेत्र में खोले जा रहे हैं बाद में इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। इन कॉर्नर में 24 घंटे महिला कर्मी मौजूद रहेंगी और जरूरत मंद महिलाओं को सेनेटरी पैड निशुल्क उपलब्ध कराएंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/545 दिनांकः 08.01.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा सं0ः 230-क0वि0-कार्य ठेका-936-2025

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल में एनसीसी कानपुर और एसएफडब्ल्यूएल प्रयागराज में वंदे भारत ट्रेन के रखरखाव के लिए अतिरिक्त अवसंरचनात्मक सुविधाओं के विकास के कारण 25 केवी ओएचई संशोधन और विद्युतीकरण। (दूसरा आमंत्रण)

अनुमानित लागत : रु. 24355838.77	बिड सुरक्षा राशि : रु. 271800.00
कार्य अवधि : 09 महीना	बोली प्रणाली : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 30.01.2025, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 30.01.2025, 15:00 बजे

एलोकेशनः कैपिटल	यूडब्लूआईडी नं0ः 060242243002

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 51/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

पंचायती अखाड़ा निर्मल ने महाकुंभ नगर प्रवेश किया

महाकुम्भ नगर। सिखों के निर्मल अखाड़े श्रीपंचायती अखाड़ा निर्मल ने शनिवार को महाकुम्भ नगर प्रवेश किया। यात्रा में गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी, हाथों में तलवार लिए पंच प्यारे चल रहे थे। अखाड़े के सचिव महंत देवेंद्र सिंह शास्त्री ने बताया कि इस प्रवेश यात्रा में एक हजार से अधिक साधु संत शामिल हैं जिसमें अधिकतर संत सिक्ख समुदाय से आते हैं। संतो के पीछे–पीछे महिलाएं गुरुवाणी का पाठ और शबद कीर्तन करते हुए चल रहीं थी। छावनी प्रवेश में मां काली के रौद्र रूप को प्रदर्शित करने वाली झांकी भी कौतुहल का विषय बनी। सनातन धर्म के संन्यासी और वैरागी अखाड़ों में जहां वैभव और प्रदर्शन की झलक मिलती है तो वहीं इनके मध्य श्रीपंचायती अखाड़ा निर्मल अपनी सहजता, समता और सेवा भाव के लिए अलग पहचान दर्ज कराता है। इस पंथ में इसके दस गुरुओं ने अपने शिष्यों को सेवा और भक्ति का जो संदेश दिया वह भी निर्मल अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा में दिखा। यात्रा में जहां एक तरह गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी चल रही थी वहीं उसके ठीक पीछे पंच प्यारे हांथ में तलवार लेकर चल रहे थे । इन सबके आगे सिक्ख समुदाय के सैकड़ों सेवादार स सड़क को धुलते अरब झाड़ू लगा रहे थे। विभिन्न स्थानों पर इस छावनी प्रवेश यात्रा का स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत किया।

From the beginning of our first-ever Sangam Ganga Aarti to the inaugural year of the Maha Kumbh Mela, this sacred gathering has been off to a truly beautiful and divine beginning. Pilgrims and devotees from all over the world have joined us for this historic occasion, coming together in unity, devotion, and celebration. During the Aarti, we offered prayers not only for the well-being and welfare of all beings but also for the relief and healing from the wildfires in Los Angeles, California, and the natural disasters affecting so many around the world due to climate change.From the holy banks of Maa Ganga, at the sacred confluence of the three rivers, our prayers, healing vibrations, and messages have flowed to every corner of the world—an inspiring testament to the power of collective humanity and the spirit of Vasudhaiva Kutumbakam: the world as one family.

थीमेटिक लाइट दिखाएंगी महाकुम्भ जाने का रास्ता

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम द्वारा शहर भर में लगाई गईं थीमेटिक लाइट – रात में रोशनी के साथ आध्यात्मिक अनुभूति देंगी ये लाइटें। शहर के सात पार्कों के बाहर बनाए गए ग्लो पार्क प्रयागराज की पावन धरा पर आए वो महाकुम्भ की दिव्य–भव्य अद्भुत और सुखद अनुभूति लेकर जाए... इस सोच के साथ प्रयागराज नगर निगम ने शहर को सजाया है । शहर को साफ रखने के लिए वृहद स्तर पर चाक–चौबंद व्यवस्थाएं करने के साथ शहर से मेला क्षेत्र को जाने वाली सड़कें थीमेटिक लाइट्स से सजाई गई हैं । ये थीमेटिक लाइट्स सिर्फ सजावट के लिए नहीं हैं, बल्कि ये महाकुम्भ 2025 में शामिल होने के लिए आने वाले दूर दराज के श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों को स्टेशन, एयर पोर्ट और बस अड्डे से मेला क्षेत्र तक जाने का रास्ता भी दिखाएंगी । 2 हजार से अधिक थीमेटिक लाइट्स से सजे 29 मार्ग नगर निगम आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बताया कि शहर भर के 29 मार्गों को 2 हजार से अधिक थीमेटिक लाइटों से सजाया गया है । इन लाइट्स को लगाने का मुख्य उद्देश्य रात के समय सड़कों पर पर्याप्त रोशनी रखना तो था ही साथ ही हम महाकुम्भ आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुम्भ की भव्यता से परिचित कराना चाहते थे । नगर निगम चाहता था कि शहर को इस तरह से सजाया जाए कि शहर में आते ही श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुभूति हो । इसके लिए मॉर्टिफ़्स पर शंख, भगवान शिव के त्रिनेत्र, कलश, डमरू, मोर पंख, धनुष बाण सहित अन्य धार्मिक चिन्ह की थीमेटिक लाइट लगाई गई हैं । बदली गई पुरानी एलईडी लाइटें, बोलाड्स ने बढ़ाई खूबसूरती नगर निगम के अधिशासी अभियंता राधा कृष्ण लाल ने बताया कि इन लाइट्स की ख़ास बात यह है कि इन्हें शहर के मुख्य मार्गों से महाकुम्भ

क्षेत्र तक की सड़क के डिवाइडरों पर लगाया गया है । ताकि दूर दराज से आए लोग रात में इन लाइट्स के सहारे आसानी से मेला क्षेत्र तक पहुंच सके । खम्भों को जहाँ स्पाइरल लाइट से सजाया गया है, वहीं इन पर आर्कलिक शीट भी लगाई गई है । सुरक्षा के लिहाज से टेप भी लगाए गए हैं । शहर भर की सभी पुरानी एलईडी लाइट्स बदल दी गई हैं । बोलाड्स लाइट भी पार्कों के बाहर लगाई गई हैं, जिससे इनकी ख़ूबसूरती और बढ़ गई है। बच्चों को भा रहे ग्लो पार्क, सेल्फी पॉइंट पर लग रही भीड़ नगर निगम के अवर अभियंता राम सक्सेना ने बताया कि थीमेटिक लाइट्स के साथ शहर में ग्लो पार्क भी बनाए गए हैं । इन पार्क की खास बात यह है कि यहां लगे स्कल्पचर रात में चमकते हैं , इसलिए इन्हें ग्लो पार्क का नाम दिया गया है । इन ग्लो पार्क में हमने 18 तरह के स्कल्पचर लगाए हैं, रात में चमकते हिरण, यूनिकॉर्न, बतख, शेर, मोर खरगोश बच्चों को खूब भा रहे हैं । शहर की सुन्दरता देखने के लिए लोग रात में निकल रहे हैं और नगर निगम द्वारा बनाए गए सेल्फी पॉइंट पर अपनों के संग सेल्फी ले रहे हैं । शहर के इन सात पार्कों के बाहर बनाए गए हैं ग्लो पार्क भारद्वाज पार्क नगर निगम पार्क चंद्रशेखर आज़ाद पार्क,हाथी पार्क,खुसरो बाग़,सर्किट हाउस पार्क,तिरंगा पार्क इन मार्गों पर लगी हैं थीमेटिक लाइट्स मार्ग थीमेटिक लाइट एम जी मार्ग शंखजी.टी. जवाहर से संगम पेट्रोल पंप मार्ग ओम संगम पेट्रोल पंप से फाफामऊ ब्रिज लखनऊ प्रयाग राज मार्ग शंख,त्रिशूल,कलश स्टेशन रोड सूरज,यमुना बैंक रोड धनुष रीवा रोड,नमस्ते अरैल रोड दीया मिर्जापुर मार्ग गणेश नवाब यूसुफ रोड त्रिनेत्र,हनुमान स्टेनली रोड त्रिशूल पी.डी. टंडन मार्ग धनुष,साधु,मोर पंख पी.डी. टंडन फ्लाई ओवर तराजू चौफटका फ्लाई ओवर डमरू कानपुर जी.टी. सड़क फुलझड़ी एयरपोर्ट रोड (जागृति चौराहा से टी–प्वाइंट स्टार एयरपोर्ट रोड (टी–प्वाइंट से आईआईआईटी चौराहा) डमरू एयरपोर्ट रोड (IIIT चौराहा से जीरो प्वाइंट) ओम नरूलाह रोड साधु आईईआरटी फ्लाईओवर हनुमान बख्शीबांध फ्लाई ओवर मोर पंख शास्त्री ब्रिज से अंदावा चौराहा वास्तिक पुरानी जीटी रोड (झूंसी साइट) मोर पंख अलोपी बाग फ्लाईओवर कलश न्यू बैरहना चौराहा से लेप्रोसी चौराहा तक नमस्ते राम बाग फ्लाईओवर कलश लीडर रोड फ्लाई ओवर स्टार अलोपी बाग फ्लाईओवर से शास्त्री ब्रिज तक साधु सीएमपी तिराहा से अलोपी बाग तिराहा तक।

काव्य संग्रह कहानी संग्रह का लोकार्पण किया।

प्रयागराज। हिंदुस्तानी एकेडेमी के गांधी सभागार में सुपरिचित लेखक तेज प्रकाश की दो पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। काव्य संग्रह दूर तो नहीं क्षितिज तथा कहानी संग्रह अच्छा लग रहा है का लोकार्पण चितरंजन कुमार, रवि प्रकाश, तेज प्रकाश, अनुपम परिहार, ने किया। मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग सहायक आचार्य डॉ चितरंजन कुमार ने कहा की तेज प्रकाश ने अपनी दोनों पुस्तकों से साहित्य संसार को समृद्ध किया है।

कश्यप ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

महाकुंभ नगर। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने शनिवार को महाकुंभ नगर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित दिव्य महाकुंभ 2025 प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह

प्रदर्शनी मेलाक्षेत्र के सेक्टर 7 में लगभग 5000 वर्ग फीट क्षेत्रफल में आयोजित की जा रही है। प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर मंत्री ने प्रदर्शनी में लगाई गई कलाकृतियों का अवलोकन किया और उनके पीछे छिपी दिव्यांगजनों की अद्भुत प्रतिभा और कला की सराहना की। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य दिव्यांगजनों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना और समाज में उनकी क्षमताओं को पहचान दिलाना है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में दिव्यांगजनों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों और उनके हुनर को प्रदर्शित किया गया है, जो न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि समाज को दिव्यांगजनों की शक्ति और उनकी क्षमता का अहसास भी कराते हैं। उन्होंने प्रदर्शनी में मौजूद कलाकृतियों की जानकारी ली और दिव्यांगजनों के प्रयासों को सहारा। प्रदर्शनी में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। जिनके माध्यम से दिव्यांगजनों को अपनी कला और संस्कृति प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। प्रदर्शनी के दौरान मंत्री ने सभी से आग्रह किया कि वे इस आयोजन में अधिक से अधिक भाग लें और दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता एवं सम्मान का भाव विकसित करें।

कार्यकारी निदेशक संरक्षा ने किया स्टेशन का सेफ्टी ऑडिट

प्रयागराज।जनसंपर्क विभाग 11 जनवरी रेलवे प्रशासन द्वारा कुम्भ मेला स्पेशल गाड़ियों के संरक्षित परिचालन,मेला यात्रियों की सुरक्षा एवं तीव्रगामी रेल यात्रा सुनिश्चित करने के लिये कार्यकारी निदेशक / संरक्षा रेल मंत्रालय,नई दिल्ली मुकुल कुमार द्वारा बनारस स्टेशन का सेफ्टी ऑडिट निरीक्षण किया गया। इस दौरान बनारस स्टेशन के रूट रिले इंटरलाकिंग कक्ष,स्टेशन पैनल,रिले रूम, डाटा लॉगर,पॉइंट क्रासिंग,ब्लॉक हट,ब्लॉक यंत्र,वीडर काउन्टर, शंटिंग फेसिलिटी, स्टेबलिंग फेसिलिटी, रैक हैंडलिंग समेत संरक्षा से जुड़े उपकरणों एवं इन उपकरणों के क्रमिक अनुरक्षण की समीक्षा की गयी। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी बलेन्द्र पाल,वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री रजत प्रिय,संरक्षा विभाग के सभी काउंसलरों समेत सभी विभागों के वरिष्ठ पर्यवेक्षक उपस्थित थे । इस दौरान उन्होंने बनारस स्टेशन पर रुट रीले इंटरलॉकिंग, सेंसर युक्त डाटा लॉगर,सेंसर युक्त फ़ाउलिंग मार्क,ट्रैक आक्यूपेशन डिटेक्शन,कलर लाइट सिगनल, रीले रूम, आई पी एस रूम एवं विद्युत वितरण प्रणाली बैटरी रूम, ,पॉइंट एण्ड क्रासिंग का गहन निरीक्षण किया और उपकरणों के समयबद्ध अनुरक्षण की जानकारी ली साथ ही बनारस में कार्यरत संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों का संरक्षा के प्रति ज्ञान परखा । संरक्षित यातायात प्रबंधन हेतु इंजीनियरिंग,सिगनल,ऑपरेटिंग विभाग के संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों की सक्षमता प्रमाण पत्र एवं पीरियाडिकल मेडिकल परिक्षण रिपोर्ट की जाँच की गयी । इसके साथ ही स्टेशन सेक्शन में संस्थापित बर्थिंग ट्रैकों, पॉइंट मशीनों,सिगनलों,पैदल उपरिगामी पूल की ऊँचाई एवं अप्रोच,प्लेटफार्म लेंथ क्लियरेंस ,फायर एलार्म,स्टेशन वर्किंग रूल, रिले रूम,पॉइन्ट क्रासिंग तथा विभिन्न उपकरणों की फेल सेफ साइड प्रणाली आदि का गहन निरीक्षण करते हुए संरक्षा की समीक्षा की । अपने निरीक्षण के दौरान कार्यकारी निदेशक श्री मुकुल कुमार ने बनारस रेलवे स्टेशन पर लाइन नम्बर 26 पर पड़ने वाले मैन्युअल पॉइंट सं 112 का गेज परीक्षण किया साथ ही सभी पॉइंट्स पर हाउजिंग एवं फिलर की समय –समय पर पॉइंट्स एण्ड क्रासिंग निरीक्षण कर जाँच करने और उसे प्राथमिकता देते हुए कम समय में दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि डिरेलमेंट की 80ः घटनाएं पॉइंट्स जोन में होतीं है इसके लिए रेलवे बोर्ड द्वारा व्यपक स्तर पर ड्राइव चलकर पॉइंट्स जोन पर कड़ाई से रेक्टिफिकेशन कराया जा रहा है। उन्होंने बनारस स्टेशन से भारी संख्या में कुम्भ मेला स्पेशल गाड़ियों के संचलन हेतु शंटिंग की।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062